मैलेरिया (मौसमी) ज्वर

जिस में

उसके कारण, निदान, और चिकित्सा का पूरा वर्णन है, और युनानी, वैद्यक और डाक्टरी मत से हर बात का सविस्तर वर्णन बहुत ही उत्तम रीति से किया गया है ॥

जिसको

कविविनोद वैद्यभूषण पण्डित ठाकुरदत्त शर्म्मा वैद्य

मालिक

"अमृतधारा" औषधालय तथा सम्पादक

वैद्यकपत्र 'देशोपकारक' और अनेक वैद्यक पुस्तकों के रचियता ने लिखा

और

देशोपकारक औषधालय के कार्यकर्त्ताओं ने छपवाकर प्रकाशित किया

औषधि या पुस्तक के मिलने के वास्ते पत्र तथा तार का पता केवल इतना है:—

"अमृतधारा" लाहौर ॥

अमृत प्रेस रेलवे रोड लाहौर में छपी ।

छापी १०००] [मूल्य ॥=)